

RECEIVED

16 MAR 2026

RECEIVED

16 : : : : : UPPSC MAINS 2025

TEST CODE 8 7 1 1 5 0 7

Time Allowed : Three Hours  
समय : तीन घंटे

ForumIAS

ForumIAS  
ACADEMYMaximum Marks : 150  
अधिकतम अंक : 150

## GENERAL HINDI / सामान्य हिन्दी

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	अनिमेष कुमार सिंह		
Roll No./ अनुक्रमांक	1910097525	Medium/ माध्यम	English <input type="checkbox"/> हिन्दी <input checked="" type="checkbox"/>
Center Code/ परीक्षा केंद्र	ORN	Date/ दिनांक	16/03/26

\*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका			INSTRUCTION / अनुदेश	
Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक	1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet. कृपया उत्तर-पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।	
1			2. There are <b>EIGHT</b> questions printed in this booklet, all questions are compulsory. उत्तर पुस्तिका में 8 प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।	
2			3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।	
3			4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।	
4			5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off. प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।	
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
Total/ कुल अंक	150		<b>For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु</b>	
Examiner's Discretion/ मूल्यांकन कर्ता का विवेक :			Start Time/ प्रारंभ करने का समय :	End Time/ समाप्त करने का समय :
			11:45 AM	1:45 PM
Total Marks/ कुल अंक :			Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ ऑनलाइन <input type="checkbox"/> Offline/ ऑफलाइन <input checked="" type="checkbox"/>
*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy. मूल्यांकन कर्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।			<b>For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु</b>	
ECN CODE/ ईसीएन कोड :			EG/ ईजी :	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि:
			① ② ③ ④ ⑤	

**Note:** Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

---

## EXAMINER'S REMARKS

---

### CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of ( but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow =** Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R =** How your answer performs on the criteria of presentation, ease of read, clarity and apparent effort in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

Q.1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

किसी परिमित वर्ग से कल्याण से संबंध रखने वाले धर्म की अपेक्षा विस्तृत जनसमूह के कल्याण से संबंध रखने वाला धर्म, उच्च कोटि का है। धर्म की उच्चता उसके लक्ष्य के व्यापकत्व के अनुसार समझी जाती है। गृहधर्म या कुल धर्म से समाज धर्म श्रेष्ठ है, समाज-धर्म से लोकधर्म, लोकधर्म से विश्वधर्म, जिसमें धर्म अपने शुद्ध और पूर्ण स्वरूप में दिखाई पड़ता है। यह पूर्ण धर्म अंगी है और शेष धर्म अंग। पूर्ण धर्म, जिसका संबंध अखिल विश्व की रक्षा से है, वस्तुतः पूर्ण पुरुष या पुरुषोत्तम में ही रहता है, जिसकी मार्मिक अनुभूति सच्चे भक्तों को ही हुआ करती है, इसी अनुभूति के अनुरूप उनके आचरण का भी उत्तरोत्तर विकास हो जाता है। गृह धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त या किसी परिवार की रक्षा देखकर, वर्ग धर्म पर दृष्टि रखने वाला, किसी वर्ग या समाज की रक्षा देखकर और लोक धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त मनुष्य जाति की रक्षा देखकर आनन्द का अनुभव करता है। पूर्ण या शुद्ध धर्म का स्वरूप सच्चे भक्त ही अपने और दूसरों के सामने लाया करते हैं, जिनके भगवान पूर्ण धर्म स्वरूप हैं, अतः ये कीटपतंग से लेकर मनुष्य तक सब प्राणियों की रक्षा देखकर आनन्द प्राप्त करते हैं। विषय की व्यापकता के अनुसार उनका आनन्द भी उच्च कोटि का होता है। उच्च से उच्च भूमि के धर्म का आचरण अत्यन्त साधारण कोटि का हो सकता है इसी प्रकार निम्न भूमि के धर्म का आचरण उच्च से उच्च कोटि का हो सकता है। गरीबों का गला काटने वाले चींटियों के बिलो पर आटा फैलाते देखे जाते हैं, अकाल पीड़ितों की सहायता में एक पैसा चंदा न देने वाले अपने डूबते मित्र को बचाने के लिय प्राण संकट में डालते देखे जाते हैं।

- (क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। 5
- (ख) धर्म समाज का कल्याण कैसे करता है? इसे गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिये। 5
- (ग) उपर्युक्त गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिये। 20

(क)

भावार्थ :- लेखक इस गद्यांश से यह बताना चाहता है कि किसी भी धर्म के गुण उसके भक्त के व्यापकत्व पर निर्भर करता है। सच्चा धर्म वही है जो केवल विशेष वर्ग, परिवार या समाज तक सीमित न होकर समस्त मानव और सभी प्राणियों के कल्याण से जुड़ा है।

सच्चे धर्म के उद्देश्य पूरे विश्व में रक्षा और शांति व्यापित करना होता है। लेखक के अनुसार, जो व्यक्ति सभी प्राणियों की रक्षा और कल्याण में आनन्द अनुभव करता है वही सच्चे धर्म का पालन करता है। इसलिए उच्च कोटि का धर्म वही है जो

सार्वभौमिक कल्याण, कल्याण और परंपरा की भावना को बढ़ावा देता है।

(ख) धर्म समाज के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो निम्न प्रकार है:-

1. सार्वभौमिक कल्याण की भावना को जन्म देता है समाज में।
2. धर्म के पालन से नैतिकता का विकास होता है।
3. धर्म आपसी प्रेम, सहयोग और सदभाव को बढ़ाता है।
4. पानक्ता की रक्षा व विश्व हित के लिए प्रेरणा देता है।

(ग)

(i) ~~प्रश्न~~ किसी परिमित..... कोरे का है।

उत्तर :- लेखक धर्म की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। उसके अनुसार सच्चा धर्म संतुष्टि नहीं बल्कि आवश्यक और सार्वभौमिक होता है।

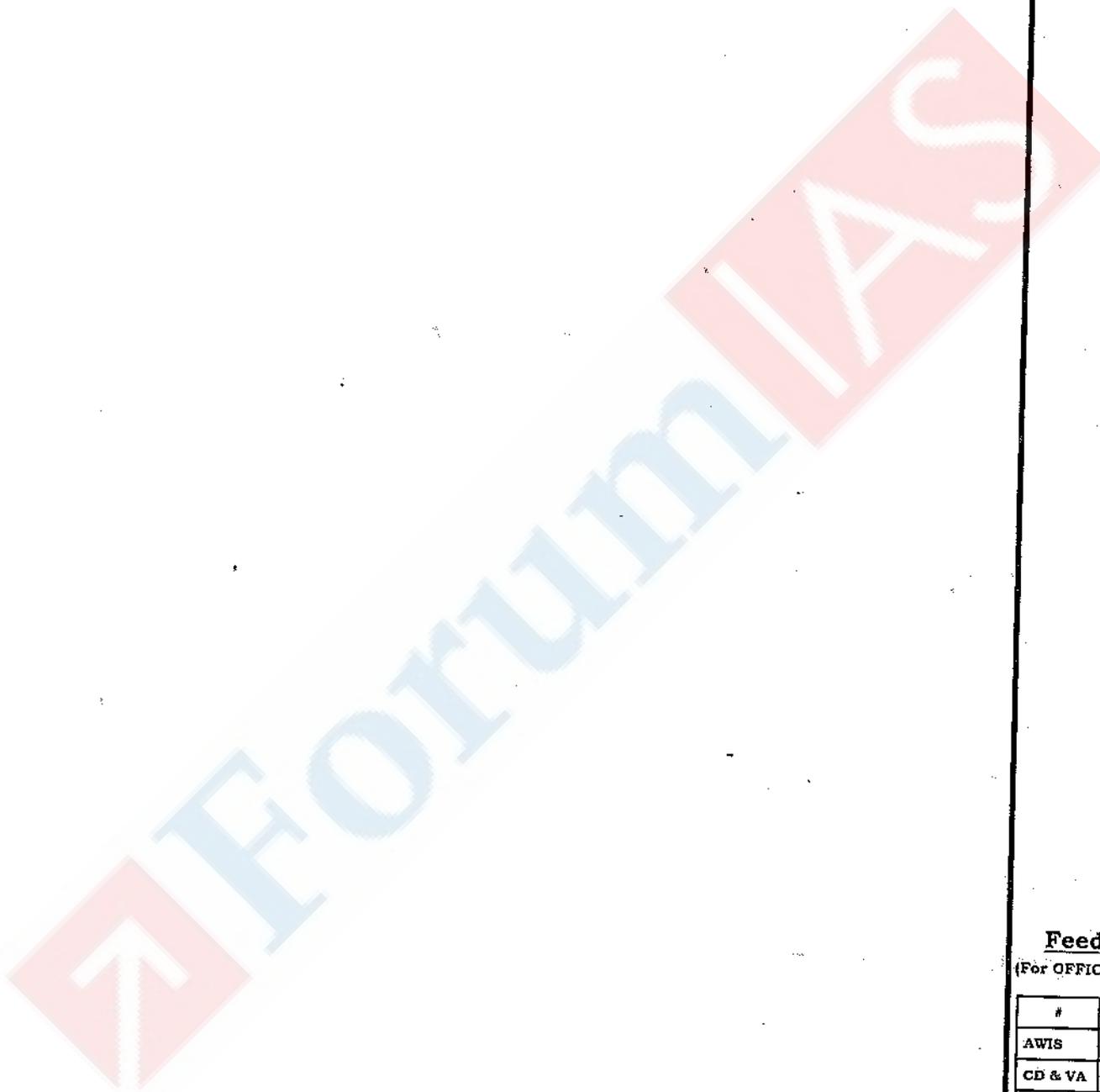
कठिन शब्द : अव्यय  
 पारिमित → निश्चित, सीमित

(ii) पूर्ण धर्म - ..... ही रहता है।

~~लेखक~~  
 व्याख्या: लेखक के अनुसार पूर्ण धर्म वही होता है जो पूर्ण पुरुष में अव्यय कर्तव्यता, दया और परोपकार की भावना, उत्पन्न करती है। इसी से विश्व की रक्षा होती है।

(iii) जरीबों का गला काटने ..... प्राण संकट में डालते देखे जाते हैं।

व्याख्या:- इन पक्षियों में लेखक यह बताना चाहता है कि सच्चे धर्म का पालन करने वाले लोग केवल सिद्धांतों की बात नहीं करते, बल्कि अपने आचरण से धर्म से सिद्ध करते हैं।



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.  
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

विद्वानों का मानना है कि राजनीति ने भाषा को भ्रष्ट कर दिया है; शब्दों से उनके सही अर्थ छीनकर उन्हें छद्म अर्थ पहना दिए हैं। संसद, संविधान, कानून, जनहित, न्याय, अधिकार, साक्ष्य, जाँच जैसे ढेरों शब्द अपना असली अर्थ खोकर बदशकल हो चुके हैं। शब्द भले ही अच्छा या बुरा कोई भी अर्थ प्रकट करता हो, जब अपना असली अर्थ खो देता है, तो वह बदशकल हो जाता है। भाषा का भ्रंश, अंततः सामाजिक मानवीय मूल्यों का भ्रंश है। कल्पना कीजिए कि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से जो कहे उसका वही अर्थ ना हो, जो भाषा प्रकट करती है या ऐसे अनुभवों की पुनरावृत्ति के कारण दूसरा व्यक्ति उसे सही अर्थ में ना लेकर उसमें अनर्थ या अन्य अर्थ खोजने लगे तो क्या होगा? यह मनुष्य का मनुष्य पर से विश्वास उठने का मामला है, जो सामाजिक विश्रुंखलता का पहला और अंतिम चरण है। पहला इसलिए कि भाषा को मनुष्य ने परस्पर संवाद और सही संप्रेषण के लिए गढ़ा है और अंतिम इसलिए कि आगे चलकर मनुष्य का कर्म भी भाषा के मूल अर्थ का नहीं उसके भ्रंश का रूप ले लेता है। यह इस तरह होता है कि छद्म अर्थ का वाहन करते-करते भाषा अंततः हमारे कर्म को ही छद्म में बदल देती है। क्या हम भाषा को भ्रष्ट करने की परिणति राजनीतिक और सामाजिक जीवन के चरम पतन में नहीं देख रहे?

- (क) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 5
- (ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर भाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिये। 5
- (ग) उपर्युक्त गद्यांश का संक्षेपण कीजिए। 20

(क) भाषा का दुस्वपयोग और सामाजिक अविश्वास  
या  
राजनीति में भाषा का विकृतिकरण

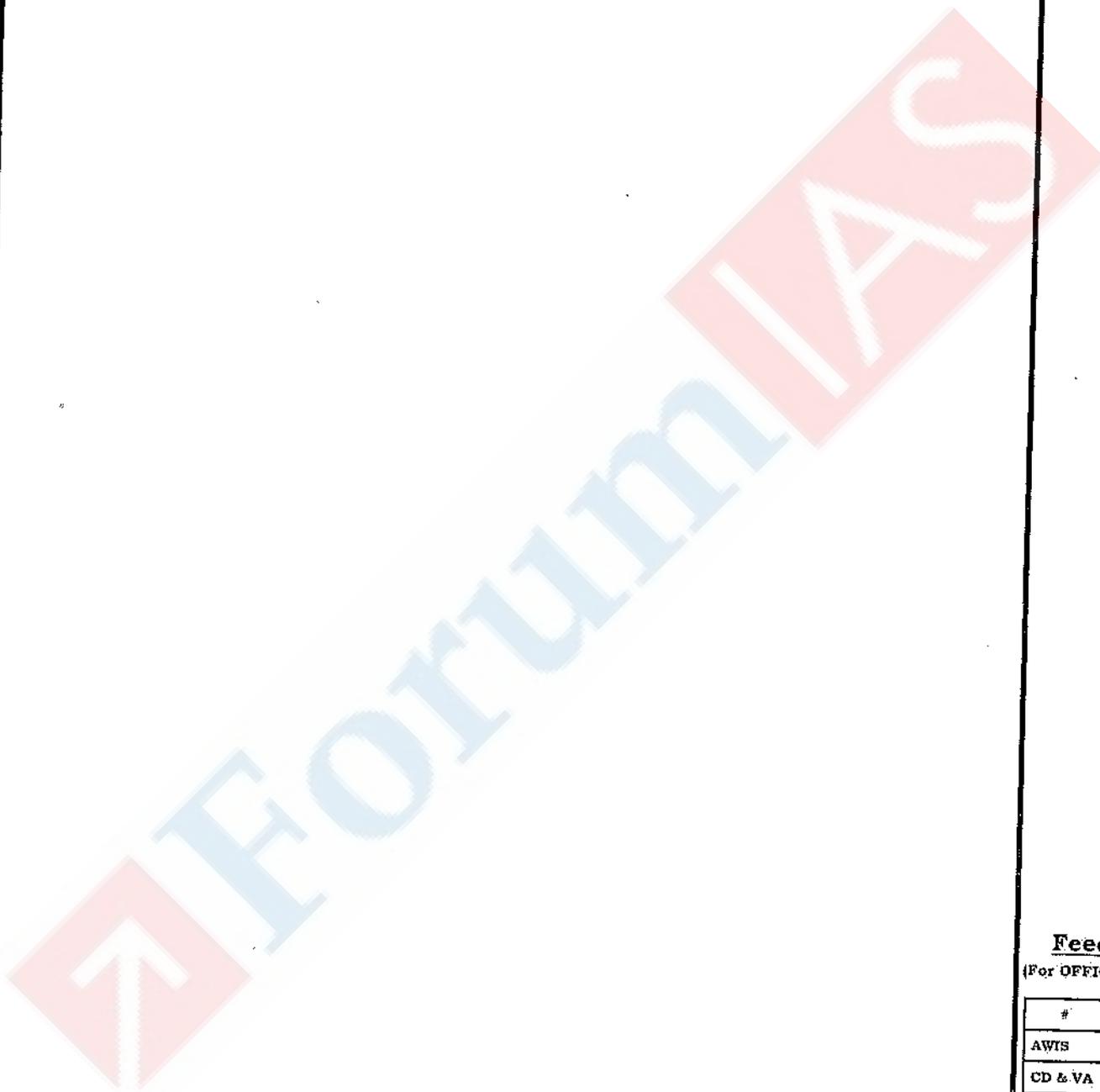
(ख) गद्यांश के अनुसार भाषा मनुष्य के सामाजिक और राजनीतिक जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है। भाषा के माध्यम से मनुष्य अपने विचार, भावनाएँ और उद्देश्य दूसरों तक पहुँचाता है। किन्तु जब राजनीति में भाषा का दुस्वपयोग होने लगता है और शब्दों के वास्तविक अर्थ बर्बर दिए जाते हैं, तब भाषा अपनी विश्वसनीयता खोने लगती है।

(क) (ग)

लेखक के अनुसार राजनीति ने भाषा को विकृत कर दिया है। अनेक महत्वपूर्ण शब्दों के वास्तविक अर्थ बदल दिए जाते हैं। जिनसे भाषा की विश्वसनीयता कम हो जाती है। जब शब्द अपनी सही अर्थ खोने लगते हैं तो मनुष्य के बीच विश्वास भी कमजोर हो जाता है।

भाषा मनुष्य के आपसी संबंध और समझ का प्रमुख साधन है। यदि शब्दों का गलत प्रयोग किया जाए तो सामाजिक और राजनीतिक जीवन में झूठ और विश्वास पैदा हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि भाषा का प्रयोग ~~अपने~~ उसके वास्तविक अर्थों में ही किया जाए ताकि समाज में विश्वास और स्वल्प संबंध बना रहे।





**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S. & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table.			
Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

Q.3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) कार्यालय आदेश किसे कहते हैं? शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी विशेष छात्रवृत्ति योजना संबंधी कार्यालय आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए। 10

(ख) भारत सरकार की तरफ से एक परिपत्र जारी कीजिए जिसमें राज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि वे यथाशीघ्र नई शिक्षा नीति 2020 को अपने राज्यों में लागू करें। 10

(क) कार्यालय आदेश वह आधिकारिक निर्देश होता है जिसे किसी विभाग या कार्यालय द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों या संबंधित संस्थाओं को किसी कार्य के संचालन, निष्पत्तियों के पालन या किसी योजना के क्रियान्वयन के लिए जारी किया जाता है।

कार्यालय आदेश (प्रारूप)

शिक्षा विभाग,

लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

संख्या - क/123/ग

दिनांक - 16 मार्च 2026

कार्यालय आदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आविर्भूत रूप से कर्मचारियों के प्रेषणीय विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष छात्रवृत्ति योजना प्रारंभ से गई है। इस योजना के संचालन हेतु निर्देशित किया जाता

हैं कि प्रदेश के सभी जिला सिमा अधिकारी एवं संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा पाठ विद्यालयों के आवेदन विद्यार्थित समग्र सीमा के भीतर प्राप्त कर विभाग को प्रेषित करें।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

सचिव

सिमा विभाग, उत्तर प्रदेश

(ख) परिपत्र

परिभाषा - पत्र आलेखन का ऐसा रूप जिसके द्वारा समान सूचना, निर्देश, अनुदेश इत्यादि सभी संबंधित अथवा अधीनस्थ अधिकारियों को बिना विवेकन कार्यों के संदर्भ में प्रातिलेपियों के माध्यम से भेजा जाता है।

परिपत्र (शासकीय)

संख्या - 7/3/03

प्रेषक

क. ख. ग. 9

सचिव

शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।

सेवा में,

समस्त जिल्हाधिकारी,

समस्त जनपद।

विषय:- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध में।

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेश करना है कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है।

अतः सभी राज्य सरकारों से अनुरोध है कि वे अपने-अपने राज्यों में इस नीति के प्रावधानों को चरणबद्ध रूप से लागू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके लिए राज्य स्तर पर कार्ययोजना तैयार कर के, शिक्षा मंत्रालय को अवगत कराए।

संख्या ४ - अ प्रयोक्त ।

भवदीय  
~  
(क. व. ग.)  
सचिव  
सिमा केंद्र

## Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above-table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

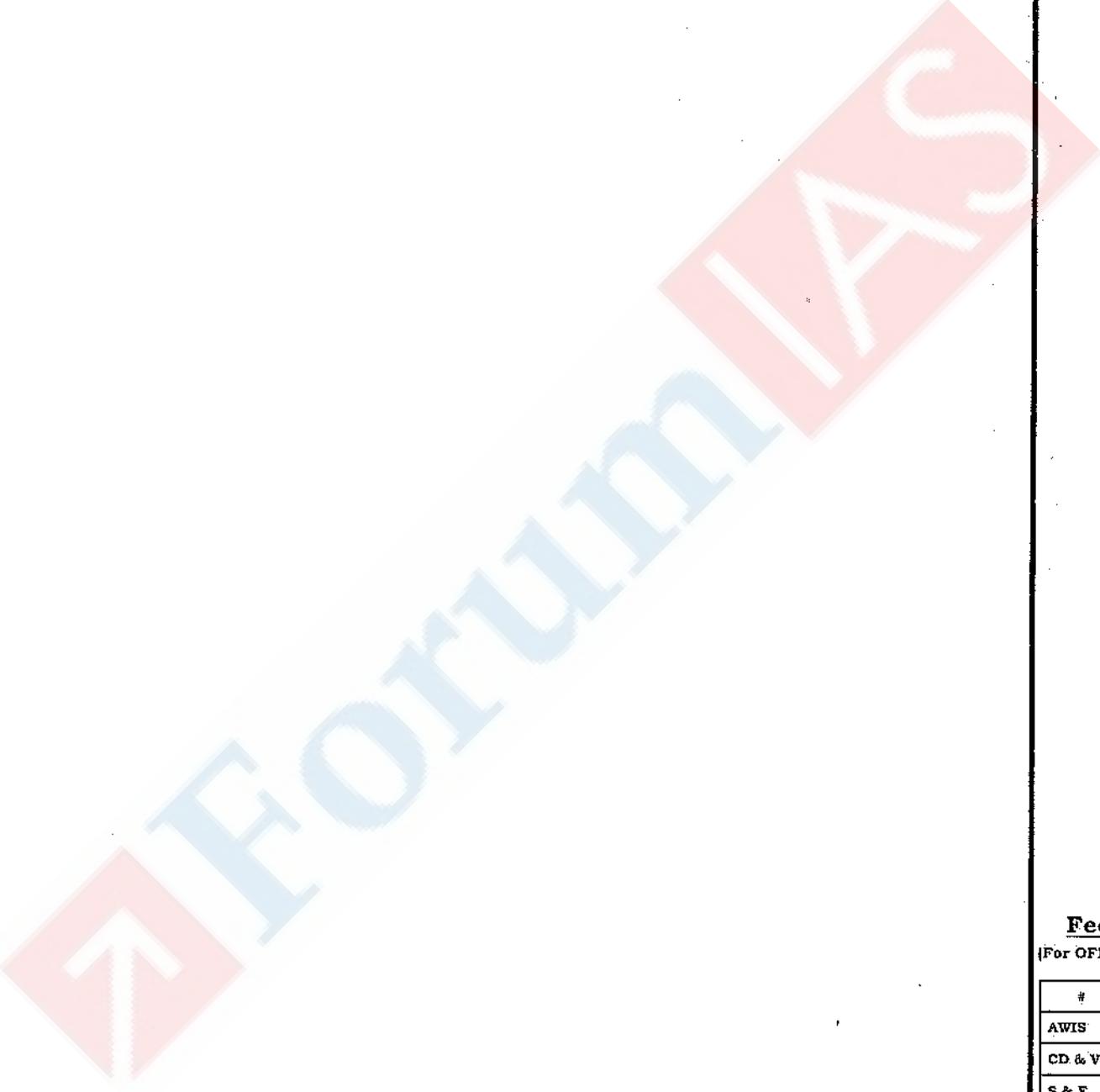
TOTAL MARKS

Q.4) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये ।

10

अनुक्रिया, अधिष्ठित, वादी, आगमन, सज्जन, सुपत्र, राग, सम्मुख, सलज्ज, उदात्त

- विलोम
- अनुक्रिया — प्रतिक्रिया  
 अधिष्ठित — अनधिष्ठित  
 वादी — प्रतिवादी  
 आगमन — प्रलम्बान  
 सज्जन — दुर्जन  
 सुपत्र — कृपत्र  
 राग — वैराग / द्वेष  
 सम्मुख — विमुख  
 सलज्ज — बिलज्ज  
 उदात्त — हीन



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.5) (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों की पहचान कीजिए।

5

दुष्प्राप्य, अध्यात्म, अभ्युदय, स्वागत, प्रत्यक्ष।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को पृथक् कीजिए।

5

पावक, पाणिनीय, झाड़ू, शक्ति, बलिष्ठ।

(क)

~~मूल शब्द~~

उपसर्ग - मूल शब्द

दुः - प्राप्य

आधि - आत्म

अभि - उदय

स्व - आगत

प्रति - अथ

(ख)

मूल शब्द - प्रत्यय

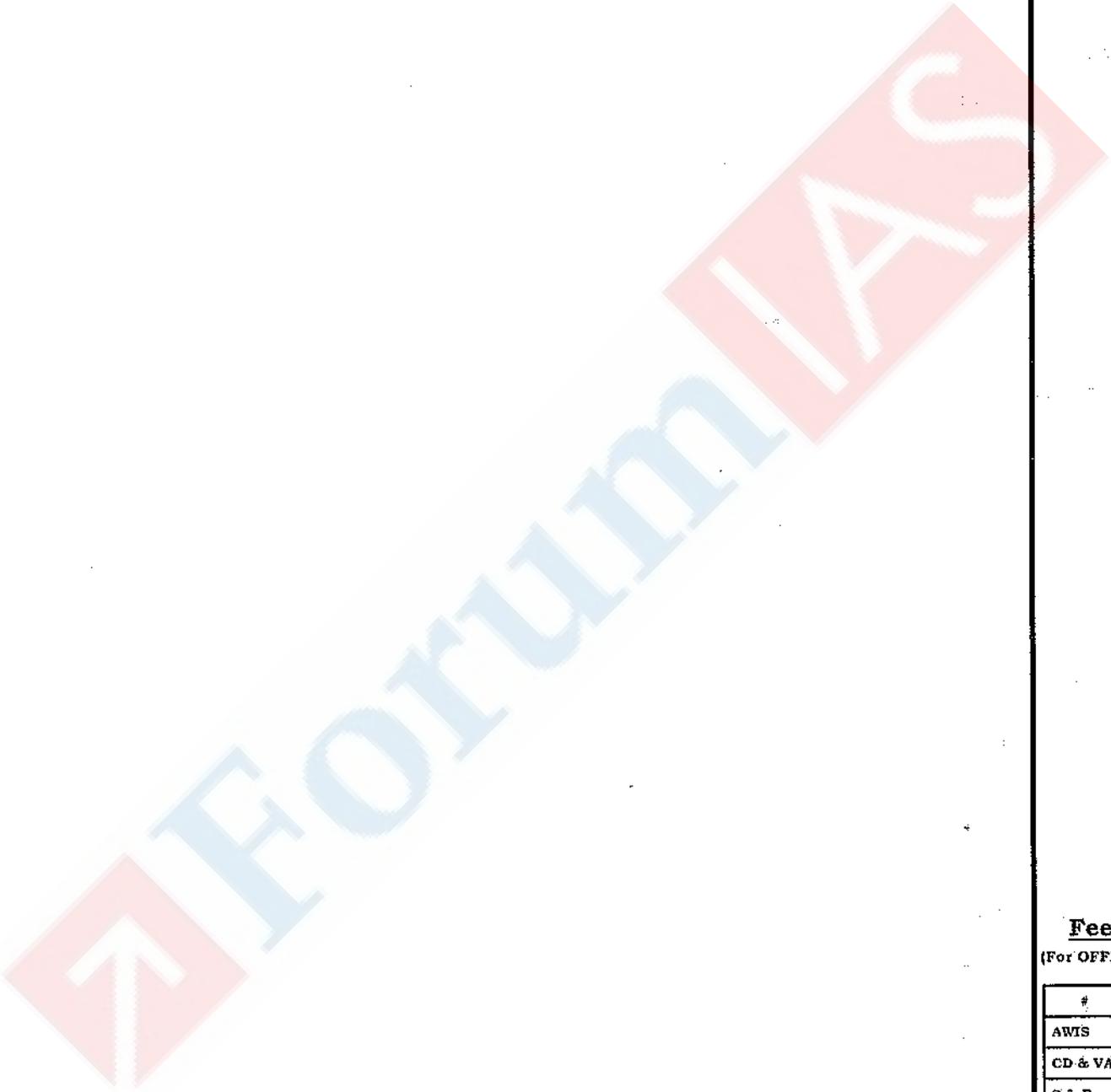
पाव - क

पाणिनी - इय

झा - आड़ू

शक् - त्ति

बलि - इष्ठ



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
F & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.6) निम्नलिखित वाक्यांशों या पदबंध के लिए एक-एक शब्द लिखिए

10

- (i) जो कहीं लौटकर आया हो
- (ii) जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में वास करता हो
- (iii) जिसे करना बहुत कठिन हो
- (iv) जिस पर अभियोग लगाया गया हो
- (v) जो अपनी पत्नी के साथ हो

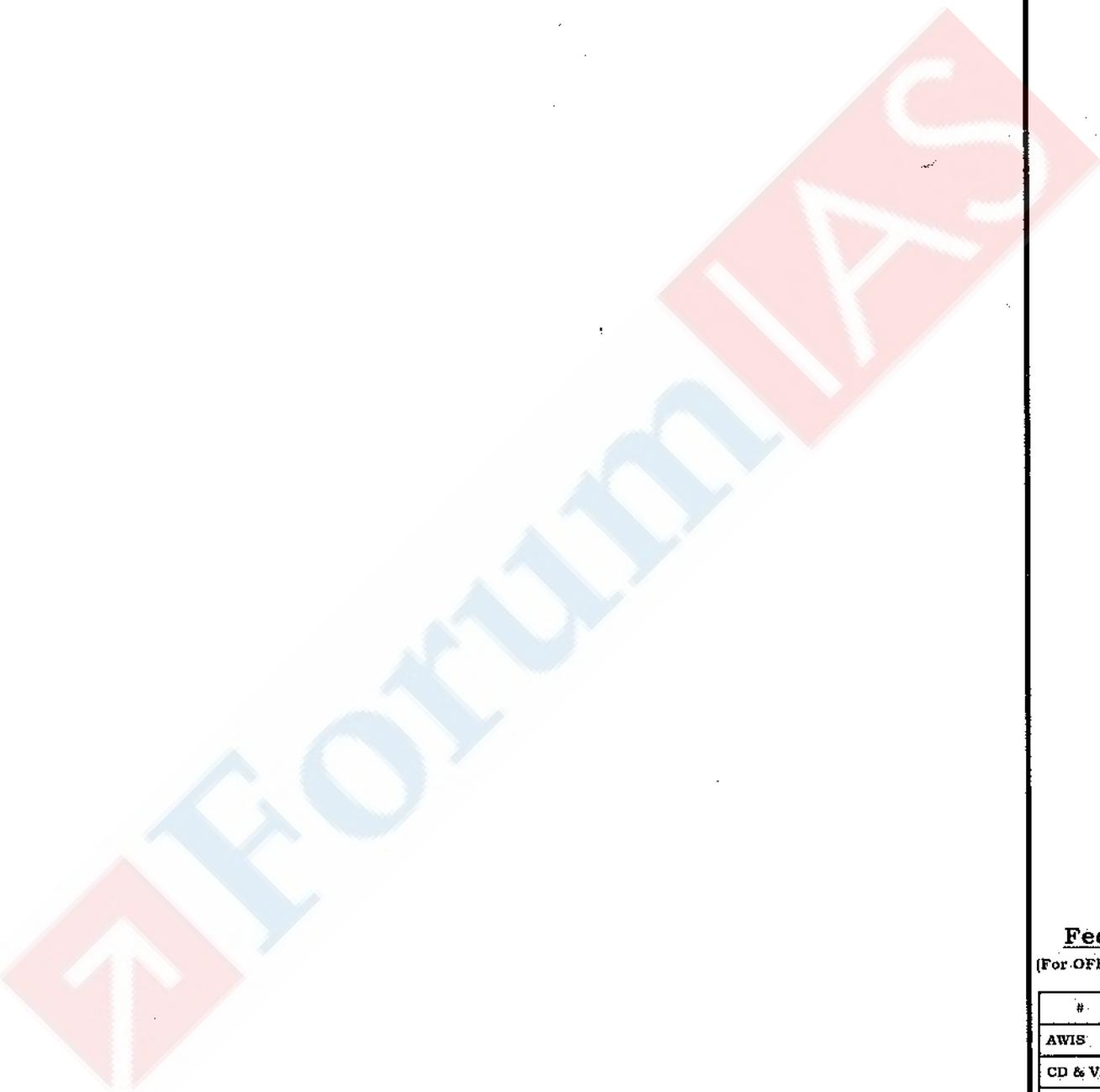
(i) प्रतयागत

(ii) प्रवासी

(iii) दुष्कर

(iv) आश्रयभुक्त

(v) सपत्नीक



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table:

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS:	
--------------	--

Q.7) (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये।

- (1) तुम तुम्हारी किताब ले जाओ।
- (2) यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।
- (3) यह एक गहरी समस्या है।
- (4) मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता गया था।
- (5) गणित एक कठोर विषय है।

5

(ख) निम्न शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये।

व्यवहारिक, तत्कालीक, आशीर्वाद, पुज्यनीय, इच्छिक

5

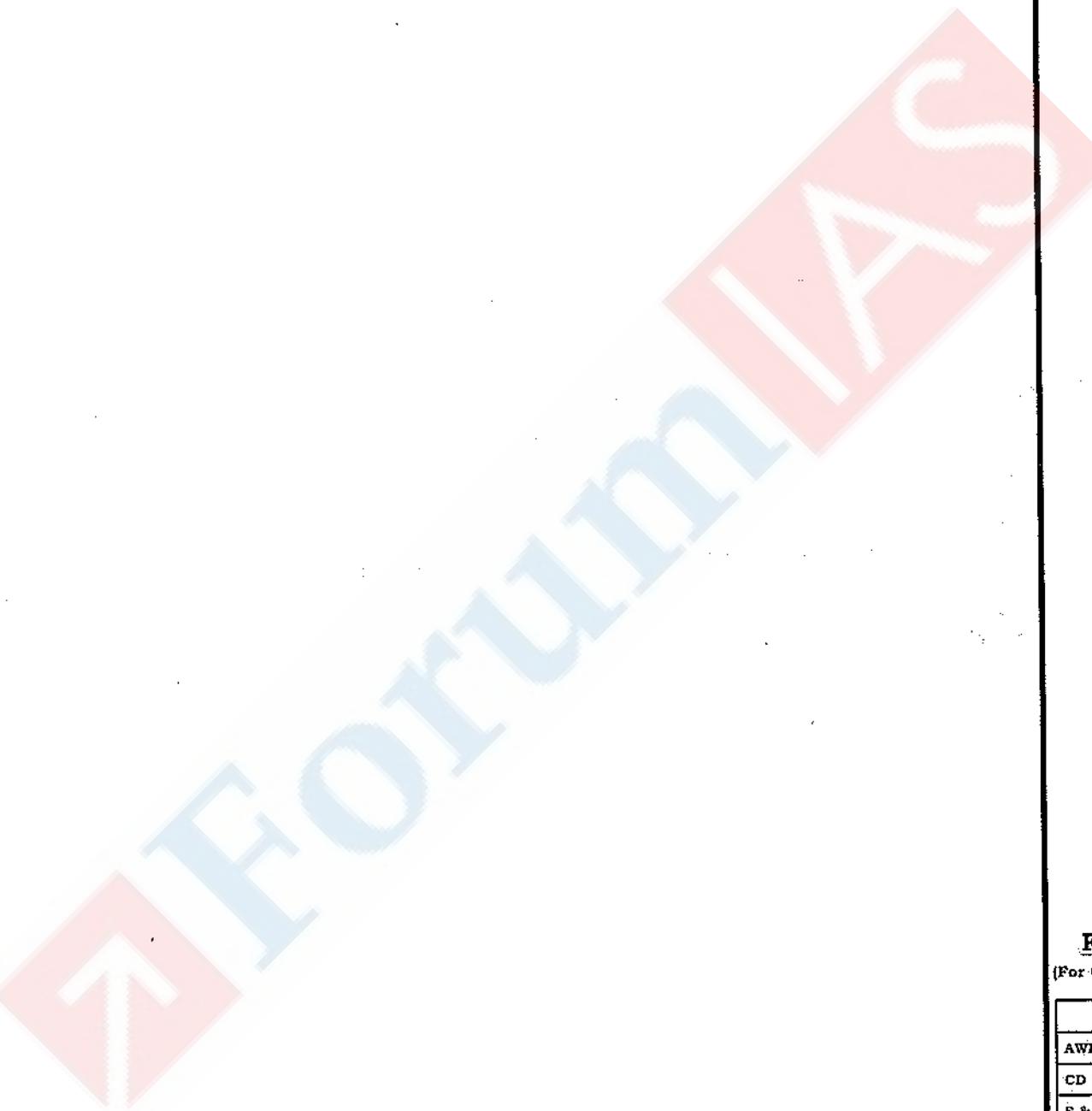
(i) शुद्ध :- तुम अपनी किताब ले आओ।

(ii) यही महिलाओं का सरकारी अस्पताल है।

(iii) यह एक गहरी समस्या है।

(iv) मोहन पिछले वर्ष कलकत्ता गया था।

(v) गणित एक कठोर विषय है।



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS:	
--------------	--

Q.8) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

30

- (1) चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता।
- (2) खूँटे के बल बछड़ा कूदे।
- (3) दालभात में मूसरचंद।
- (4) पराए धन पर लक्ष्मीनारायण।
- (5) एक ही लकड़ी से सबको हाँकना।
- (6) अधजल गगरी छलकत जाए।
- (7) लहू के आँसू पीना।
- (8) मीठी छुरी चलाना।
- (9) निन्यानबे के फेर में पड़ना।
- (10) जबान पर लगाम न देना।

(i) अर्थ:- द्योटी वस्तु से बड़ा काम नहीं हो सकता।

वाक्य - थोड़े पैसे से बड़ा व्यापार नहीं हो सकता, चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता।

(ii) अर्थ:- दूसरों के सहारे धमंड करना।

वाक्य:- वह अपनी पिता के पद के कारण धमंड बूता है, खूँटे के बल बछड़ा कूदता है।

(iii) अर्थ:- बिना कारण बीच में हलफ़ेप करने वाला।

वाक्य:- हमारी पची में वह आचानक बोलने लगा, बिनकुल दाल-भात में मूसरचंद।

(iv) अर्थ:- दूसरे के धन पर ऐसा करना।

वाक्य:- वह अपने मित्र के पैसे पर भ्रष्ट करता है, जैसे पराए धन पर लक्ष्मीनारायण।

(v) अर्थ:- सबको एक समान समझना।

वाक्य:- सभी दालों को बोली मानना ठीक नहीं, एक ही लकड़ी से सबको नहीं ढाँकना चाहिए।

(vi) अर्थ:- कम ज्ञान वाला व्यक्ति अधिक पिढावा करता है।

वाक्य:- बोझ ज्ञान होते ही धमंड करने लगा, सच में अधलत गगरी हलकत जाए।

(vii) अर्थ:- अत्यधिक दुख सहना।

वाक्य:- बेटे की मृत्यु के बाद वह लड्डू के आवरु पी रहा है।

(viii) अर्थ:- मीठी बातों से नुकसान पहुँचाना।

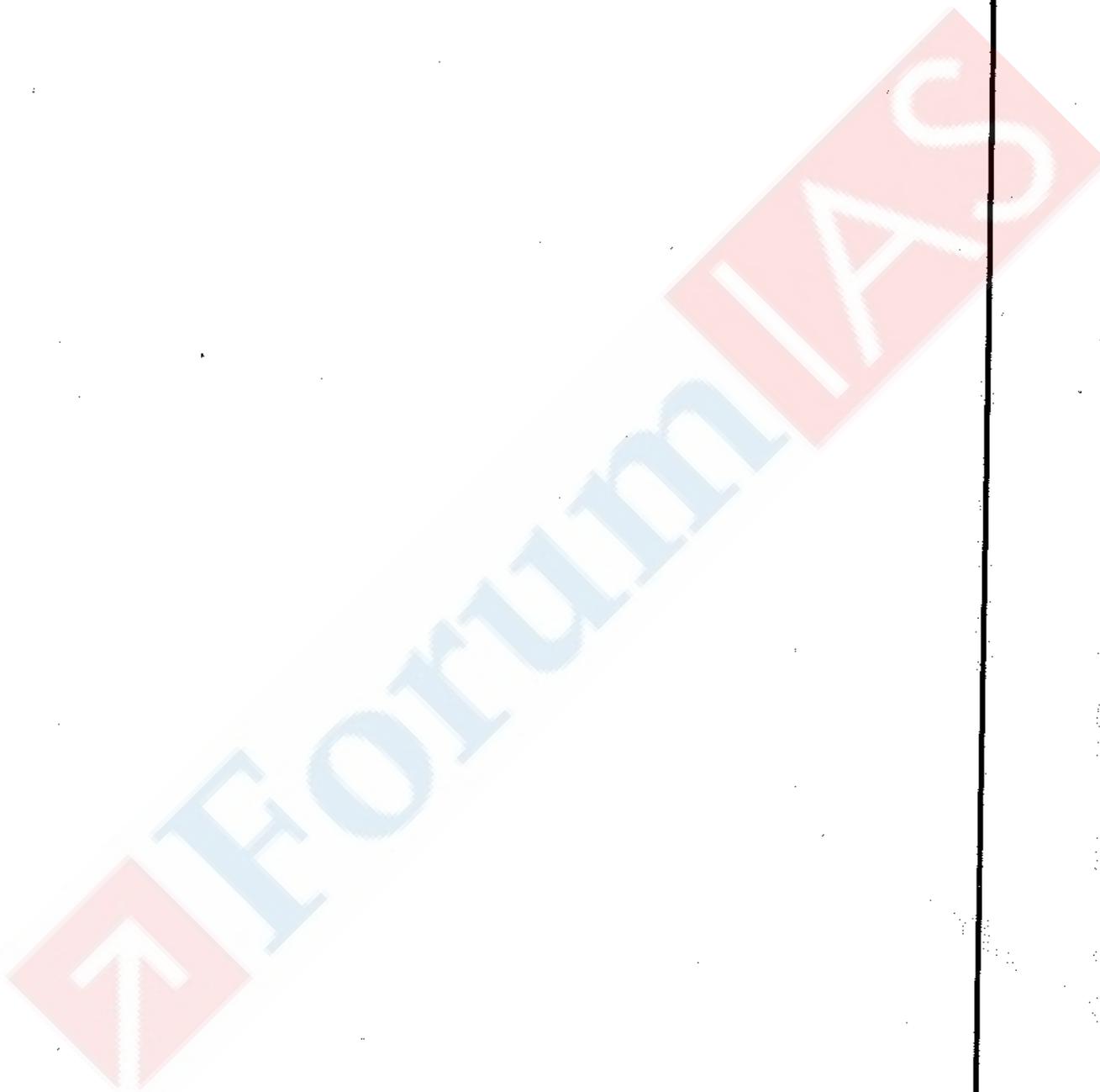
वाक्य:- वह सामने से मीठा बोलता है पर पीठ पीछे मीठी दुरी चलाता है।

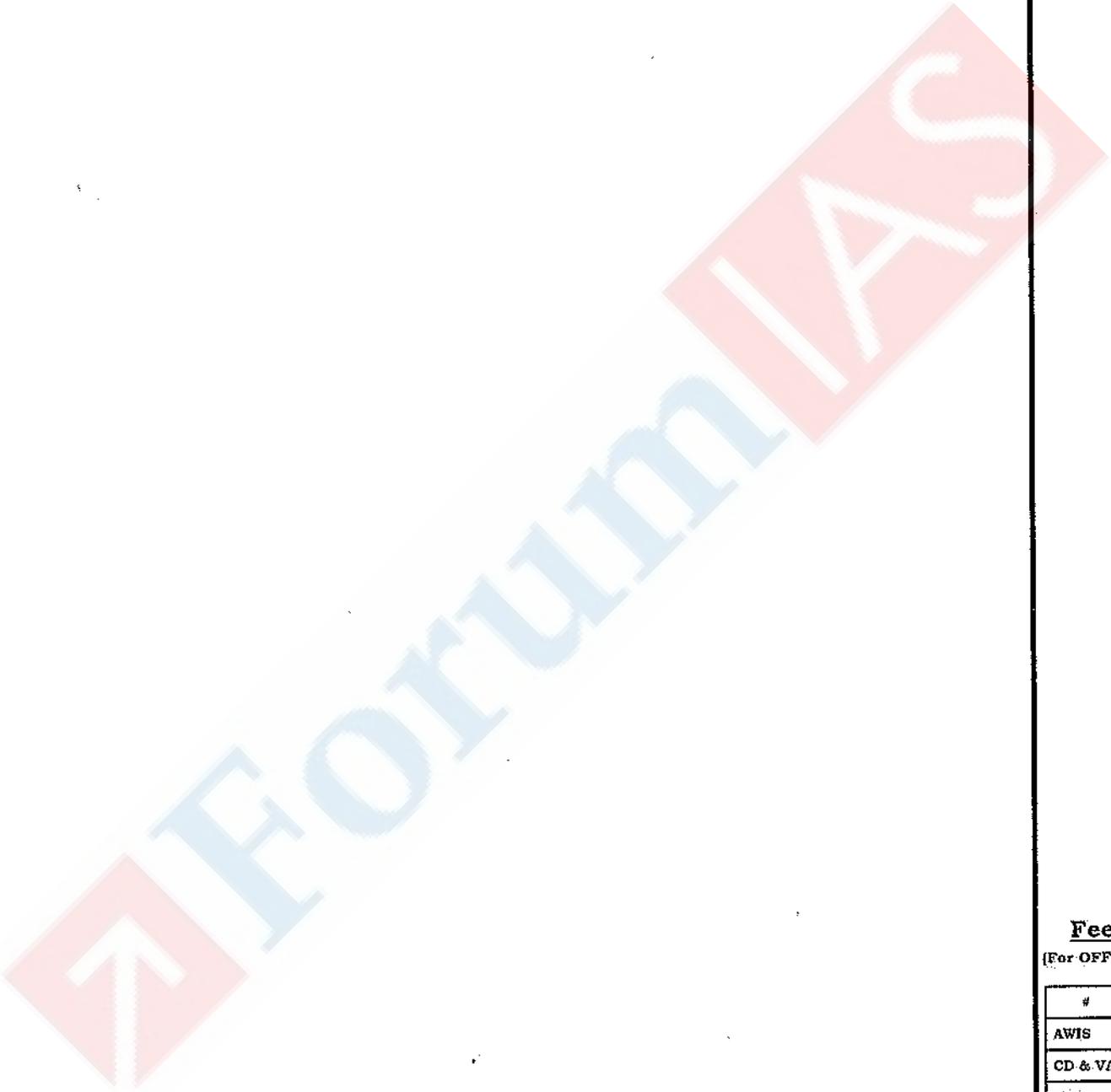
(ix) अर्थ:- अधिक धन की लालसा में फँस जाना।

वाक्य:- अधिक पैसे के लालच में वह निग्रानवे के जेर में पड़ गया।

(x) अर्थ:- बिना सोचे बोलना।

वाक्य:- उसे अपनी जुबान पर लगाम देनी चाहिए।





**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

### Mentor Feedback Questions

- 1 .....
- 2 .....
- 3 .....
- 4 .....
- 5 .....

#### Test Goal

- 1 .....
- 2 .....
- 3 .....

#### Outcomes

- 1 .....
- 2 .....
- 3 .....

### Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
≡	Key / Relevant Point		
✘	Vague / Irrelevant		

\* Subject to change without prior notice.

## Availing Mentorship - Now made easy & seamless via [mentorship.forumias.com](https://mentorship.forumias.com)

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL <https://mentorship.forumias.com> or Scan the QR code



**When must you seek mentorship?** When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link <https://blog.forumias.com/testimonials>

### Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

- CSE Rank 1, Shweti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 5, Unkarsh Dwivedi, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 8, Ishita Bathi, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 12, Yasharth Shekhar, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 14, Abhinav J Jain, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 20, Arpit Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 24, Pasupati Sahitya, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 28, Maurya Bharadwaj Manoj, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 30, Namam Goyal, Download MGP Copies + Testimonial [Click Here](#)
- CSE Rank 33, Jasprender Singh, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 37, V Sanjana Sinha, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 39, Vejal Dhakad, Download MGP Copies [Click Here](#)
- CSE Rank 40, Kunal Jain, Download MGP Copies [Click Here](#)